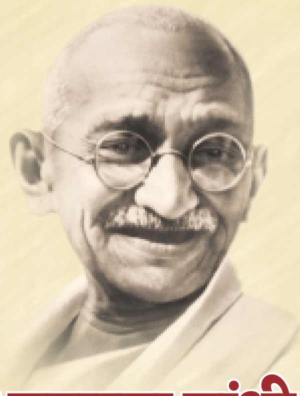

राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान
अलंकरण समारोह

महात्मा गांधी सम्मान

वर्ष 2019

अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांति कुँज, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

वर्ष 2020

भटके विमुक्त विकास प्रतिष्ठान, यमगरवाड़ी, उस्मानाबाद (महाराष्ट्र)

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग

राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग ने गांधी विचार दर्शन के अनुरुप कार्य करने वाली संस्था को राज्य शासन ने महात्मा गांधी के नाम पर इस क्षेत्र में देश का सबसे बड़ा राष्ट्रीय सम्मान महात्मा गांधी सम्मान वर्ष 1995 में स्थापित किया है। गांधी सम्मान का मूल प्रयोजन गांधी जी की विचारधारा के अनुसार अहिंसक उपायों द्वारा सामाजिक और आर्थिक क्रांति के क्षेत्र में संस्थागत साधना को सम्मानित और प्रोत्साहित करना है। गांधी सम्मान की पुरस्कार राशि रुपये 10 लाख है। सम्मान के अंतर्गत नगद राशि एवं प्रशस्ति पट्टिका भेंट की जाती है। वर्ष 2019 का यह सम्मान 'अखिल विश्व गायत्री परिवार' (शांति कुँज, हरिद्वार) एवं वर्ष 2020 का यह सम्मान 'भटके विमुक्त विकास प्रतिष्ठान' (यमगरवाडी-उस्मानाबाद) को प्रदान किया जा रहा है।

गांधी सम्मान का निर्णय प्रतिवर्ष उच्च स्तरीय विशिष्ट निर्णायक समिति द्वारा किया जाता है। चयन प्रक्रिया के अंतर्गत प्रतिवर्ष देश में गांधी जी के विचार एवं आदर्शों के अनुसार रचनात्मक कार्य करने वाली संस्थाओं, स्वतंत्रता संग्राम सैनिकों, समीक्षकों, समाजशास्त्रियों, बुद्धिजीवियों, केन्द्र तथा राज्य सरकारों के अलावा समाचार-पत्रों में प्रकाशित विज्ञापनों के माध्यम से इस सम्मान के लिए अनुशंसा/नामांकन करने का अनुरोध निर्धारित प्रपत्र में किया जाता है। प्राप्त नामांकनों को निर्णायक समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जाता है। निर्णायक मण्डल को यह स्वतंत्रता रहती है कि यदि किसी संस्था का नाम छूट गया हो तो उसे विचारार्थ जोड़ ले। निर्णायक मण्डल का निर्णय अंतिम और राज्य शासन के लिए बंधनकारी होता है। सम्मान के लिए चुनी जाने वाली संस्था के लिए यह आवश्यक है कि चयन के समय संस्था रचनात्मक दिशा में सक्रिय हो। गांधी सम्मान द्वारा सुविचारित तथा सुनियोजित श्रृंखला के तहत यह प्रयत्न किया जाता है कि समूचे देश में गांधी जी के आदर्शों और विचारों के अनुसार सामाजिक तथा आर्थिक क्षेत्र में जो सर्वोत्कृष्ट रचनात्मक साधना और अवदान अर्जित किया गया है उसकी राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान बने और ऐसी संस्थाओं तथा उनके साधनारत मनीषियों का समूचे प्रदेश की ओर से सम्मान किया जाये।

गांधी सम्मान संस्था के समग्र रचनात्मक अवदान के लिए देय है, उसकी किसी एक पहल अथवा गतिविधि के लिए नहीं। यह सम्मान विविध क्षेत्रों में रचनात्मक उपलब्धि के लिए है, शोध अथवा अकादेमिक कार्यों के लिए नहीं। निर्णायक समिति का गठन राज्य शासन द्वारा किया जाता है। निर्णय की घोषणा के पूर्व सम्बन्धित संस्था से सम्मान ग्रहण करने की स्वीकृति प्राप्त की जाती है। यदि निर्णायक समिति किसी वर्ष विशेष में गांधी सम्मान के लिए संस्था को उपयुक्त नहीं पाती है तो उस वर्ष सम्मान किसी भी संस्था को नहीं दिया जाता है। सम्मान, संस्था द्वारा किए गए रचनात्मक कार्य एवं अवदान की मान्यता के रूप में दिया जाता है, वित्तीय सहायता के बतौर नहीं।

राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान

1.	कस्तूरबा गांधी स्मारक ट्रस्ट, इन्दौर	1995–96
2.	लोक भारती शिक्षा समिति, सणोसरा (गुजरात)	1996–97
3.	आचार्य कुलखादी मिशन, विनोबा आश्रम, वर्धा (महाराष्ट्र)	1997–98
4.	भारतीय आदिम जाति सेवक संघ, नई दिल्ली	1998–99
5.	मणि भवन स्मारक ट्रस्ट, मुम्बई	1999–00
6.	गांधी नेशनल मेमोरियल सोसायटी, पुणे	2000–01
7.	अशोक आश्रम, चीचलू (देहरादून)	2001–02
8.	वनवासी सेवा आश्रम, गोविन्दपुर (सोनभद्र)	2003–04
9.	जीव सेवा संस्था, बैरागढ़ (भोपाल)	2004–05
10.	दीनदयाल शोध संस्थान, चित्रकूट (सतना)	2005–06
11.	दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार (उत्तरांचल)	2006–07
12.	सेवा भारती, नई दिल्ली	2007–08
13.	दूधातोली लोक विकास संस्थान, पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)	2008–09
14.	बाबा अया सिंह रियारकी कॉलेज, तुगलवाल	2012–13
15.	कस्तूरबा गांधी कन्या गुरुकुलम, तमिलनाडु	2013–14
16.	वनवासी विकास समिति, रायपुर	2014–15
17.	एसोसियेशन ऑफ वॉलेण्ट्री एजेंसीस फॉर रुरल डेवलपमेंट, दिल्ली	2015–16
18.	शान्ति साधना आश्रम, गोहाटी	2016–17
19.	गांधी विचार परिषद्, गोपुरी (वर्धा)	2017–18
20.	लोकायत, पुणे (महाराष्ट्र)	2018–19
21.	**अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांति कुँज, हरिद्वार**	**2019–20**
22.	**भटके विमुक्त विकास प्रतिष्ठान, यमगरवाडी (उस्मानाबाद)**	**2020–21**

राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान

वर्ष 2019

अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांति कुंज, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

वर्ष 2019

अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांति कुँज, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांति कुँज, हरिद्वार में स्थापित नारी जागरण, युवा जागरण, कुटीर उद्योग प्रशिक्षण, योग आदि अन्यान्य विषयों के लिए सक्रिय संस्था है जिसकी अनगिनत संस्थाएँ पूरे भारत वर्ष में विद्यमान है। मुख्यत: यह परिवार जीवन जीने की कला, संस्कृति के आदर्श सिद्धान्तों के आधार पर परिवार, समाज, राष्ट्र युग निर्माण करने वाले व्यक्तियों का संघ है। 'वसुधैवकुटुम्बकम्' की मान्यता के आदर्श का अनुकरण करते हुए हमारी प्राचीन ऋषि परम्परा का विस्तार करने वाला समूह है गायत्री परिवार।

एक संत, सुधारक, लेखक, दार्शनिक, आध्यात्मिक मार्गदर्शक और दूरदर्शी युगऋषि पण्डित श्रीराम शर्मा द्वारा युग सुधार आन्दोलन के रूप में इस परिवार की स्थापना की गई थी। जैसा कि इसका ध्येय वाक्य है – 'हम सुधरेंगे, युग सुधरेगा, हम बदलेंगे, युग बदलेगा'। इस परिवार की स्थापना वैदिक सनातन धर्म के सिद्धान्तों के आधार पर पण्डित श्रीराम शर्मा द्वारा 1950 के दशक में की गई। इस संस्था ने विचार क्रांति अभियान, प्रज्ञा अभियान इत्यादि चलाये जिसका उद्देश्य जनमानस में वैचारिक परिवर्तन लाकर समाज का उत्थान करना है।

न्याय पर आधारित विवेक और तर्क, प्रेम, सत्य से प्रभावित हमारी विचार पद्धति, आदर्शों को प्रधानता देने की प्रवृत्ति एवं समाज को अधिक सुखी बनाने के लिए अधिक त्याग, बलिदान करने की स्वस्थ प्रतियोगिता तथा प्रतिस्पर्धा संचरित रहे। वैयक्तिक जीवन में शुचिता, सच्चरित्रता, ममता, उदारता, सहकारिता आए। सामाजिक जीवन में एकता और समता की स्थापना हो। इस संसार में एक राष्ट्र, एक धर्म, एक भाषा, एक आचार रहे, जाति और लिंग के आधार पर मनुष्य –मनुष्य के बीच कोई भेदभाव न रहे। हर व्यक्ति को योग्यता के अनुसार काम करना पड़े, धनी और निर्धन के बीच की खाईं पूरी तरह पट जाए। न केवल मनुष्य वरन् अन्य प्राणियों को भी न्याय का संरक्षण मिले। दूसरे के अधिकारों को तथा अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति हर किसी में निर्मित हो, सज्जनता और सहृदयता का वातावरण विकसित हो, ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न करने में गायत्री परिवार दृढ़ संकल्पित है।

गायत्री परिवार का मानना है कि मनुष्य के पास जो कुछ भी विशेषता और महत्ता है, जिसके कारण वह स्वयं उन्नति करता जाता है और समाज को ऊँचा उठाता है, वह उसके अंतर की विचारधारा है, जिसको हम चेतना कहते हैं, अंतरात्मा कहते हैं, विचारणा कहते हैं। यही एक चीज है, जो मनुष्य को ऊँचा उठा सकती है और महान बना सकती है। शांति दे सकती है और समाज के लिए उसे उपयोगी बना सकती है।

मध्यप्रदेश शासन '**अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांति कुँज, हरिद्वार**' को गांधीजी के आदर्शों के अनुरूप समाज के साथ रच-बसकर कला, संस्कृति के आदर्श सिद्धान्तों, कुटीर उद्योग प्रशिक्षण, नारी एवं युवा जागरण के साथ सामाजिक समरसता, स्वावलम्बन एवं समाज निर्माण के कार्य में निरन्तर सक्रियता के लिए **राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान वर्ष** 2019 से सादर विभूषित करता है।

राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान

वर्ष 2020

भटके विमुक्त विकास प्रतिष्ठान, यमगरवाड़ी, उस्मानाबाद (महाराष्ट्र)

वर्ष 2020

भटके विमुक्त विकास प्रतिष्ठान, यमगरवाड़ी, उस्मानाबाद (महाराष्ट्र)

भटके विमुक्त विकास प्रतिष्ठान यमगरवाडी, जिला–उस्मानाबाद में स्थित एक सक्रिय संस्था है जो शिक्षा, स्वालम्बन, सुरक्षा और सम्मान जैसे मूल्यों की पुनर्स्थापना के लिए कार्यरत है। यह वस्तुतः वही जीवन मूल्य हैं जो भारतीय संविधान की प्रस्तावना में भी प्रतिष्ठापित हैं। यही वे उच्चतम जीवन मूल्य हैं जिनके लिए महात्मा गांधी आजीवन संघर्षरत रहे। भटके विमुक्त विकास प्रतिष्ठान का मूल सूत्र है 'बंधुभाव यही धर्म'। भटके विमुक्त विकास प्रतिष्ठान की स्थापना आज ही के दिन 2 अक्टूबर 1991 को की गई है।

महाराष्ट्र राज्य के यथासम्भवः अधिकतर लोगों तक इस प्रतिष्ठान ने अपनी पहुँच स्थापित की है, जो घुमंतू, अर्द्ध घुमंतू, विमुक्त जाति–जनजाति तथा 200 से अधिक उपजाति के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही है। इस प्रतिष्ठान ने आरम्भ में यमगरवाडी गाँव में एक स्कूल स्थापित कर इस प्रतिष्ठान की शुरूआत की, जिसमें 14 बच्चे और 1 बच्ची विद्या अर्जन किया करते थे। आज इस स्कूल का परिसर 38 एकड़ का है जिसमें 450 से अधिक बच्चे कक्षा 1 से 10 तक पढ़ते है। इन बच्चों की आगे की पढ़ाई भी संस्था द्वारा करायी जाती है।

भटके विमुक्त विकास प्रतिष्ठान द्वारा घुमंतू समाज की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलम्बन और विस्तार के लिए निरन्तर कार्य किया जा रहा है। प्रतिष्ठान का मानना है कि समाज में बेहतरी के लिए बदलाव सामुदायिक प्रयत्नों से ही आयेगा और इसी से प्रतिष्ठान से जुड़ा हर सदस्य और सहयोगी प्रतिष्ठान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए स्वेच्छा से समय और सहयोग देते हैं।

गांधी जी हर प्रकार के अन्याय के खिलाफ थे उनका मानना था कि चूंकि हम अन्याय को सहन करते हैं इसी से अन्याय का अस्तित्व बना हुआ है। स्वतंत्रता संग्राम के समय अहिंसा, सत्याग्रह और साधनों की शुचिता जैसे जीवन मूल्यों को अपनाने के कारण गांधी जी देश की जनता को जंगे आज़ादी से जोड़ने में सफल हो पाये थे। भटके विमुक्त विकास प्रतिष्ठान इन्हीं आदर्श मूल्यों के लिए कार्यरत है और संस्था की हर गतिविधि इसी से अनुप्रेरित है।

मध्यप्रदेश शासन "**भटके विमुक्त विकास प्रतिष्ठान, यमगरवाड़ी (उस्मानाबाद)**" को गांधीजी के आदर्शों के अनुरूप शिक्षा, स्वावलम्बन, सुरक्षा और विचारों के विस्तार के लिए किये जाने वाले उत्कृष्ट एवं सार्थक कार्यों के लिए **राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान वर्ष 2020** से सादर विभूषित करता है।

राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान

2019 एवं 2020

चयन समिति के सदस्यगण

राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान

वर्ष 2019

चयन समिति का प्रतिवेदन

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा स्थापित **राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान वर्ष 2019** के लिए चयन समिति की बैठक 22 सितम्बर, 2021 को मध्यप्रदेश भवन, नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। बैठक में नीचे उल्लेखित सदस्य उपस्थित हुए:-

1. **श्री रामबहादुर राय, नई दिल्ली**
2. **डॉ. महेशचन्द्र शर्मा, नई दिल्ली**
3. **श्री श्रीधर पराड़कर, ग्वालियर**
4. **प्रो. मोहनलाल छीपा, जयपुर**
5. **प्रो. के.जी. सुरेश, भोपाल**

समिति के सदस्य चयन के मानदण्डों एवं नियमों और चयन के लिए अनुशंसाएँ प्राप्त करने की प्रक्रिया से अवगत हुए। समिति के सदस्यों ने महात्मा गांधी सम्मान के लिए प्राप्त अनुशंसाओं का उत्कृष्टता, असाधारण उपलब्धि एवं दीर्घसाधना आदि के निरपवाद मानदण्डों के आधार पर परीक्षण किया। चयन समिति को अवगत कराया गया कि यह सम्मान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, स्मृति में गांधी विचार दर्शन के अनुरुप समाज में रचनात्मक पहल, साम्प्रदायिक सद्भाव एवं सामाजिक समरसता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। यह सम्मान रचनात्मक उत्कृष्टता, असाधारण उपलब्धि तथा दीर्घसाधना के निरपवाद मानदण्डों के आधार पर दिया जाता है। सम्मान चयन के समय संस्था का सक्रिय होना अनिवार्य है। संस्कृति विभाग ने इस सम्मान के लिए देश की गांधीवादी संस्थाओं, विचारकों, बुद्धिजीवियों से और समाचार-पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कर अनुशंसाएँ आमंत्रित की थीं। सम्मान हेतु प्राप्त अनुशंसाओं को चयन समिति के समक्ष रखा गया। चयन समिति ने प्राप्त अनुशंसाओं की समीक्षा की।

चयन समिति ने प्राप्त विभिन्न प्रस्तावों से परिचित होते हुए यह लक्ष्य किया कि शांति कुँज, हरिद्वार में स्थापित संस्था **'अखिल विश्व गायत्री परिवार'** ने भारतीय जीवन दर्शन जिसका एक हिस्सा गांधी दर्शन है के अनुरूप जीवन जीने की कला, संस्कृति के आदर्श सिद्धांतों के आधार पर परिवार, समाज, राष्ट्रयुग निर्माण में अपनी महती भूमिका स्थापित की हैं। अत: समिति सर्वसम्मति से वर्ष 2019 का राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान 'अखिल विश्व गायत्री परिवार' को प्रदान किए जाने की अनुशंसा करती है।

(रामबहादुर राय) **(महेशचन्द्र शर्मा)** **(श्रीधर पराड़कर)**

(मोहनलाल छीपा) **(के.जी. सुरेश)**

राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान

वर्ष 2020

चयन समिति का प्रतिवेदन

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा स्थापित **राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान वर्ष 2020** के लिए चयन समिति की बैठक 22 सितम्बर, 2021 को मध्यप्रदेश भवन, नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। बैठक में नीचे उल्लेखित सदस्य उपस्थित हुए:-

1. **श्री रामबहादुर राय, नई दिल्ली**
2. **डॉ. महेशचन्द्र शर्मा, नई दिल्ली**
3. **श्री श्रीधर पराड़कर, ग्वालियर**
4. **प्रो. मोहनलाल छीपा, जयपुर**
5. **प्रो. के.जी. सुरेश, भोपाल**

समिति के सदस्य चयन के मानदण्डों एवं नियमों और चयन के लिए अनुशंसाएँ प्राप्त करने की प्रक्रिया से अवगत हुए। समिति के सदस्यों ने महात्मा गांधी सम्मान के लिए प्राप्त अनुशंसाओं का उत्कृष्टता, असाधारण उपलब्धि एवं दीर्घसाधना आदि के निरपवाद मानदण्डों के आधार पर परीक्षण किया। चयन समिति को अवगत कराया गया कि यह सम्मान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, स्मृति में गांधी विचार दर्शन के अनुरुप समाज में रचनात्मक पहल, साम्प्रदायिक सद्भाव एवं सामाजिक समरसता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। यह सम्मान रचनात्मक उत्कृष्टता, असाधारण उपलब्धि तथा दीर्घसाधना के निरपवाद मानदण्डों के आधार पर दिया जाता है। सम्मान चयन के समय संस्था का सक्रिय होना अनिवार्य है। संस्कृति विभाग ने इस सम्मान के लिए देश की गांधीवादी संस्थाओं, विचारकों, बुद्धिजीवियों से और समाचार-पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कर अनुशंसाएँ आमंत्रित की थीं। सम्मान हेतु प्राप्त अनुशंसाओं को चयन समिति के समक्ष रखा गया। चयन समिति ने प्राप्त अनुशंसाओं की समीक्षा की।

चयन समिति ने प्राप्त विभिन्न प्रस्तावों से परिचित होते हुए यह लक्ष्य किया कि यमगरवाडी, जिला-उस्मानाबाद में स्थापित संस्था '**भटके विमुक्त विकास प्रतिष्ठान**' ने गांधी विचार दर्शन के अनुरूप शिक्षा, स्वावलम्बन, सुरक्षा और सम्मान जैसे मूल्यों की पुनर्स्थापना हेतु निरन्तर क्रियाशील है। प्रतिष्ठान का मूल सूत्र है 'बंधुभाव यही धर्म'। अत: समिति सर्वसम्मति से वर्ष 2020 का राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान इन्हें प्रदान किये जाने की अनुशंसा करती है।

(रामबहादुर राय) **(महेशचन्द्र शर्मा)** **(श्रीधर पराड़कर)**

(मोहनलाल छीपा) **(के.जी. सुरेश)**

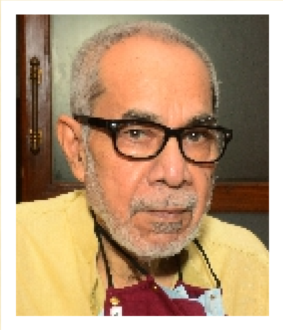

रामबहादुर राय

1 जुलाई, 1946 को गाजीपुर (उ.प्र.) में जन्म। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एम.ए.। पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (राजस्थान विश्वविद्यालय)। सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान। बिहार आन्दोलन में हिस्सेदारी, बांग्लादेश मुक्ति संग्राम की 1971 में रिपोर्टिंग तथा जे.बी. कृपलानी मेमोरियल ट्रस्ट में ट्रस्टी। पत्रकारिता के क्षेत्र में विभिन्न योगदान–संवाददाता–जनसत्ता (1983), मुख्य संवाददाता–जनसत्ता (1984–86), विशेष संवाददाता–नवभारत टाइम्स (1986–91), ब्यूरो चीफ जनसत्ता (1991–96), सम्पादक जनसत्ता समाचार सेवा (1996–2004)। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पत्र–पत्रिकाओं में सतत् सक्रिय लेखन। वर्तमान में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष।

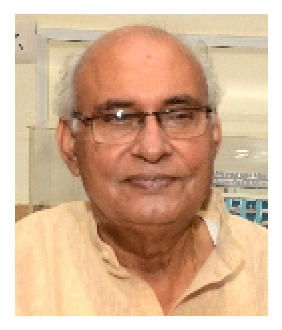

डॉ. महेशचन्द्र शर्मा

सुपरिचित समाज सेवी, विचारक, चिन्तक एवं प्रबुद्ध लेखक। राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर से वर्ष 1971–72 में। वहीं से डॉक्टरेट की उपाधि भी 1989 में। 1973 से 1977 तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक। 1996 से 2002 तक राज्यसभा से सांसद। लक्ष्मणगढ़ महाविद्यालय, राजस्थान विश्वविद्यालय, सीकर में प्राध्यापक भी रहे। त्रैमासिक पत्रिका 'मंथन' का सम्पादन। एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के अध्यक्ष। 2002–04 तक नेहरु युवा केन्द्र संगठन के उपाध्यक्ष भी रहे। 'विश्व वार्ता' एवं 'अपना देश' शीर्षक स्तम्भ लेखक प्रमुख प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में। पण्डित दीनदयाल उपाध्याय पर केन्द्रित तीन वृहद पुस्तकें प्रकाशित – दीनदयाल उपाध्याय: कर्तव्य एवं विचार, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय: जीवनी एवं दीनदयाल उपाध्याय का आर्थिक चिन्तन। व्याख्यान एवं विचार के लिए अनेक वैचारिक मंचों में आमंत्रित।

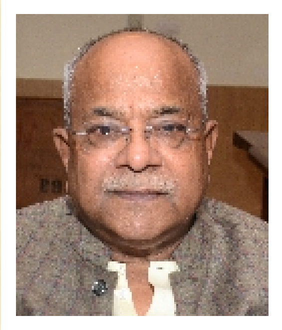

श्रीधर पराड़कर

जन्म 1 मार्च, 1955। शिक्षा एम. कॉम। वर्ष 1986 से महालेखाकार कार्यालय (मध्यप्रदेश) से स्वैच्छिक सेवानिवृत्त हो, सम्पूर्ण समय समाज सेवा कार्य के लिए समर्पित। विगत पाँच दशकों से लेखन कार्य में सक्रिय। अब तक अनेक पुस्तकों एवं शोधग्रंथ का प्रकाशन जिनमें स्वामी रामतीर्थ, माँ शारदा, रानी दुर्गावती, बालासाहब देवरस, बाबा साहब आप्टे, भगतसिंह, संत तुकडोजी, ज्योति जला निज प्राण की, मध्य भारत की संघ गाथा प्रमुख हैं। सामाजिक क्रांति की यात्रा एवं डॉ. अम्बेडकर का अनुवाद एवं श्री गुरुजी समग्र (12 खण्ड) का सम्पादन सहयोग। समाचार-पत्रों में नियमित लेखन। वर्तमान में अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के सह-संगठन मंत्री। ग्वालियर में निवास।

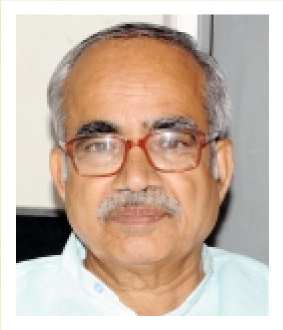

प्रो. मोहनलाल छीपा

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के सेवानिवृत्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष तथा पूर्व कुलपति। अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अर्थशास्त्री। अनेक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी। अर्थशास्त्र पर अनेक बहुचर्चित पुस्तकों के लेखक। राजस्थान में विद्या के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रसिद्ध। अनेक शोधपत्रों एवं शोधग्रंथों तथा शोध-योजनाओं के निदेशक एवं मार्गदर्शक। भोपाल में स्थापित अटलबिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति रहे। सेवानिवृत्ति पश्चात् जयपुर में निवासरत।

प्रो. के. जी. सुरेश

वरिष्ठ पत्रकार, स्तम्भकार, मीडिया गुरु, अकादेमिक प्रशासक और संचार विशेषज्ञ, भारतीय जनसंचार संस्थान (IIMC), नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक प्रो. के.जी. सुरेश वर्तमान में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति है। हाल ही में प्रो. सुरेश शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी), यूजीसी, के शासी मण्डल में सदस्य नियुक्त किए गये हैं। स्कूल ऑफ मॉडर्न मीडिया, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एण्ड एनर्जी स्टडीज़, देहरादून में संस्थापक डीन के रूप में अपनी सेवाएँ दे चुकें प्रो. सुरेश एशियानेट न्यूज़ नेटवर्क में सम्पादकीय सलाहकार के साथ ही प्रेस ट्रस्ट ऑफ इण्डिया में मुख्य राजनीतिक संवाददाता रहे हैं। विभिन्न मान-सम्मान से सम्मान जिनमें गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार, पीआरएसआई लीडरशिप अवार्ड इत्यादि शामिल हैं। प्रो. सुरेश विभिन्न राष्ट्रीय सम्मानों की चयन समिति में मनोनीत सदस्य रहे हैं। अनेक देशों की सांगीतिक यात्राएँ जिनमें अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, नेपाल, श्रीलंका, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, जापान, यूनाइटेड किंगडम, स्विट्जरलैंड, आस्ट्रिया, हंगरी, कतर, मॉरीशस, दक्षिण अफ्रीका आदि शामिल हैं। व्याख्यान एवं विचार के लिए अनेक वैचारिक मंचों में आमंत्रित।

संस्कृति के क्षेत्र में मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्थापित राष्ट्रीय एवं राज्य सम्मान

क्र.	सम्मान का नाम	स्थापना वर्ष	सम्मान राशि	विधा, जिसके लिए सम्मान देय है
राष्ट्रीय सम्मान				
1.	महात्मा गांधी सम्मान	1995	10 लाख	गांधी विचार दर्शन के अनुरूप कार्य करने वाली संस्था को
2.	कबीर सम्मान	1986	3 लाख	भारतीय कविता के क्षेत्र में
3.	मैथिलीशरण गुप्त सम्मान	1987	2 लाख	हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में
4.	इकबाल सम्मान	1986	2 लाख	उर्दू साहित्य में रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में
5.	तानसेन सम्मान	1980	2 लाख	हिन्दुस्तानी संगीत के क्षेत्र में
6.	कालिदास सम्मान (शास्त्रीय संगीत)	1980	2 लाख	शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में
7.	कालिदास सम्मान (शास्त्रीय नृत्य)	1980	2 लाख	शास्त्रीय नृत्य के क्षेत्र में
8.	कालिदास सम्मान (रंगकर्म)	1980	2 लाख	रंगकर्म के क्षेत्र में
9.	कालिदास सम्मान (रूपंकर कलाएँ)	1980	2 लाख	रूपंकर कलाओं के क्षेत्र में
10.	तुलसी सम्मान	1983	2 लाख	आदिवासी, लोक व पारंपरिक कलाओं के क्षेत्र में पुरुष कलाकार
11.	देवी अहिल्या सम्मान	1996	2 लाख	आदिवासी, लोक एवं पारंपरिक कलाओं के क्षेत्र में महिला कलाकार
12.	शरद जोशी सम्मान	1992	2 लाख	हिंदी व्यंग्य, ललित निबंध, रिपोर्ताज, डायरी, पत्र आदि
13.	लता मंगेशकर सम्मान	1984	2 लाख	सुगम संगीत के क्षेत्र में संगीतकार व गायक को
14.	किशोर कुमार सम्मान	1997	2 लाख	फिल्म के क्षेत्र में : निर्देशन, अभिनय, पटकथा, गीत लेखन
15.	कवि प्रदीप सम्मान	2012	2 लाख	मंचीय कविता के क्षेत्र में
16.	नानाजी देशमुख सम्मान	2012	2 लाख	सामाजिक, सांस्कृतिक समरसता, उत्थान, परिष्कार, आध्यात्म, परंपरा, समाज एवं विकास तथा संस्कृति की मूल अवधारणा के लिए गहन एवं प्रतिबद्धतापूर्ण कार्य करने वाले व्यक्ति अथवा संस्था
17.	कुमार गंधर्व सम्मान	1992	1.25 लाख	शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में : गायन, वादन एवं नृत्य
18.	राजा मानसिंह तोमर सम्मान	2011	1.00 लाख	संगीत, संस्कृति एवं कला संरक्षण में कार्य करने वाली संस्था के लिए
19.	सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान	2015	1.00 लाख	हिंदी सॉफ्टवेयर सर्च इंजिन, वेब डिजाइनिंग, डिजीटल भाषा प्रयोगशाला, प्रोग्रामिंग, सोशल मीडिया, डिजीटल ऑडियो, विजुअल एडीटिंग आदि में उत्कृष्ट लेखन
20.	निर्मल वर्मा सम्मान	2015	1.00 लाख	भारतीय अप्रवासी होकर विदेश में हिंदी के विकास में अमूल्य योगदान
21.	फादर कामिल बुल्के सम्मान	2015	1.00 लाख	विदेशी मूल के व्यक्ति के हिंदी भाषा एवं उसकी बोलियों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए
22.	गुणाकर मुले सम्मान	2015	1.00 लाख	हिंदी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी लेखन एवं पाठ्य-पुस्तकों में लेखन
23.	हिंदी सेवा सम्मान	2015	1.00 लाख	अहिंदी भाषी लेखकों और साहित्यकारों को लेखन सृजन से हिंदी की समृद्धि के लिए योगदान के लिए
राज्य सम्मान				
24.	शिखर सम्मान	1980	1.00 लाख	हिन्दी साहित्य
25.	शिखर सम्मान	1980	1.00 लाख	उर्दू साहित्य
26.	शिखर सम्मान	1980	1.00 लाख	संस्कृत साहित्य
27.	शिखर सम्मान	1980	1.00 लाख	रूपंकर कलाएँ
28.	शिखर सम्मान	1980	1.00 लाख	नृत्य
29.	शिखर सम्मान	1980	1.00 लाख	नाटक
30.	शिखर सम्मान	1980	1.00 लाख	संगीत
31.	शिखर सम्मान	1980	1.00 लाख	आदिवासी एवं लोक कलाएँ
32.	शिखर सम्मान	1980	1.00 लाख	दुर्लभ वाद्य वादन